Regarding issues pertaining to farmers

श्री हनुमान बेनीवाल **(**नागौर**) :** महोदया, धन्यवाद ।

महोदया, मैं आपके माध्यम से देश के एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय, किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से किसानों को मिलने वाले ऋण में सरकारी तंत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करूँगा ।

महोदया, यह योजना किसानों की भलाई के लिए लायी गई थी, लेकिन यह योजना लालची लोगों की वजह से भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुकी है । सरकार ने किसानों की आर्थिक सहायता के लिए किसान क्रेडिट कार्ड योजना शुरू की, जिससे उन्हें खेती-बाड़ी और अन्य जरूरतों के लिए आसानी से कर्ज मिल सके । इस योजना का लाभ किसानों को मिलने की बजाय कुछ भ्रष्ट बैंक अधिकारी, तहसील कर्मचारी तथा इस तंत्र से जुड़े लोग इसे किसानों से अवैध कमाई का जरिया बना चुके हैं ।

15.00 hrs

सभापति महोदया, किसान पहले से ही महंगाई, कर्ज और फसल के कम दामों से परेशान है । जब उन्हें सरकारी मदद और राहत मिलनी चाहिए, तब यह भ्रष्टाचार इन्हें और कर्ज के बोझ तले लाद देते हैं ।

मान्यवर, जब कोई किसान किसान क्रेडिट कार्ड के तहत लोन लेता है, तो बैंक उससे सर्च रिपोर्ट नामक एक कानूनी दस्तावेज की मांग करता है । वह रिपोर्ट यह साबित करने के लिए होती है कि किसान की जमीन पर कोई और कर्ज़ या कोई कानूनी विवाद नहीं है, लेकिन यह रिपोर्ट मात्र 200 रुपये या 500 रुपये में आसानी से मिल जाती है । फिर भी किसानों से इसके नाम पर 5,000 रुपये से लेकर 10,000 रुपये तक आसानी से वसूला जाता है ।

महोदया, मैं बस आधे मिनट में अपनी बात समाप्त कर रहा हूं ।

माननीय सभापति **:** माननीय सदस्य, यह शून्य काल है । प्लीज़, अब समाप्त करें ।

श्री हनुमान बेनीवाल **:** भ्रष्टाचार का पूरा नेटवर्क फैला हुआ है ।? (व्यवधान) बैंक के अधिकारी किसानों को बिना सर्च रिपोर्ट के लोन देने से इन्कार कर देते हैं और उन्हें तहसील या अन्य जगह भेज देते हैं ।? (व्यवधान)

महोदया, मेरी मांग है कि डिजिटल सर्च रिपोर्ट का सिस्टम बनाया जाए ।? (व्यवधान)